MR. DEPUTY-SPEAKER : It is a much broader question.

SHRI SHRI CHAND GOYAL : He has said nothing about the Himachal Pradesh employees.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING, AND IN THE DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS (SHRI I. K. GUJRAL) : Sir, I have not seen a a copy of the letter which Shri Madhu Limaye has addressed to the Speaker regarding Samachar Bharati.

SHRI MADHU LIMAYE : And to you.

SHRI I. K. GUJRAL : I said, copy of the letter.

One impression that I would like to remove is that we have never said that we were going to set up some trust or some other authority. We were given some information that some trust was being set up.

We have taken note of the other point that Shri Madhu Limaye has mentioned. The difficulty is, as you know, that news agencies and newspapers are independent in this country.

श्री मधु लिमये : क्या इण्डीपेन्डेन्ट है ? आप पैसा देते हैं, राज्य सरकारें पैसा देती हैं। मैंने सब चीफ मिनिस्टरों को लिखा है, आप को लिखा है।

SHRI I. K. GUJRAL : That is right. Our information is that steps in the direction in which Shri Madhu Limaye has indicated, are being taken.

SOME HON. MEMBERS *rose*—

MR. DEPUTY-SPEAKER : We have finished this. I would request you to cooperate. Otherwise, there is no end to it.

SHRI RAJASEKHARAN : The Deputy Foreign Trade Minister is here. Let him answer my query.

श्री मोलहू प्रसाद : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है। आइटम 38-39 पर विधि मंत्री जो प्रस्ताव पेश करने वाले हैं उस पर कब से चर्चा प्रारम्भ होगी और कितने घंटे चर्चा चलेगी—इस पर आप व्यवस्था दीजिए।

MR. DEPUTY-SPEAKER : I would request you to cooperate. (*Interruptions*) This way I will not be able to say anything.

श्री मोलहू प्रसाद : तीन महीने से जो प्रश्न चल रहे हैं उन पर तो चर्चा हो रही है। आप व्यवस्था दीजिए कि इस पर कितने बजे चर्चा प्रारम्भ होगी और कितनी देर तक चलेगी।

MR. DEPUTY-SPEAKER : Kindly cooperate with me. If we run the business of the House in a businesslike way, we will be able to reach that.

रेलवे मन्त्रालय में उप-मन्त्री (श्री रोहन लाल चतुर्वेदी) : उपाध्यक्ष महोदय, कटक-परादीप लाइन के बारे में पहले काफी चर्चा हो चुकी है। माननीय सदस्य श्री रवि राय ने जो प्रश्न उठाया कि रेल मन्त्री ने यह आश्वासन दिया था कि सन् 1971 के आखीर तक यह लाइन पूरी हो जायेगी लेकिन बाद में हम लोगों का यह बयान हुआ कि सन् 1972 के आखीर में पूरी होगी तो उसके सम्बन्ध में मुझे यह निवेदन करना है कि यह प्रश्न हम लोगों के सामने इन्फार्मल कन्सल्टेटिव कमेटी में आया और माननीय सदस्यों ने इस पर काफी जोर दिया। इस साल 6 या 7 जनवरी को हमने एक मीटिंग रेल भवन में बुलाई जिसमें दो माननीय सदस्य भी उपस्थित थे—लोक सभा के श्री द्विवेदी जी और राज्य सभा के श्री पात्रा जी। उसमें यह मांग बड़ी जोर की थी और हम भी समझते थे कि यह लाइन जल्दी से जल्दी बननी चाहिए। वहां पर इन्जीनियर्स भी थे और यह समझा गया कि किसी भी हालत में, जब तक कि अक्तूबर में बरसात खत्म नहीं होगी, तब तक अर्थ वर्क पूरा नहीं हो पायेगा।